संगीतकारों/नर्तकों/कलाकारों और सर्जनात्मक लेखकों को वित्तीय सहायता हेतु एक स्कीम है।

(ख) और (ग) ब्यौरे अनुबंध में दिये गये हैं। [देखिये परिशिष्ट 171, अनुक्रमांक 32]

(घ) आकाशवाणी केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये चयनित कलाकारों के रिकार्ड का रख-रखाव करता है।

आकाशवाणी द्वारा समाचार एजेंसियों को धनराशि का भुगतान

2006. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन समाचार एजेंसियों के नाम क्या-क्या हैं जिन्हें आकाशवाणी धनराशि का भुगतान करती है;

(ख) ऐसे भुगतान किस प्रकार और किस रूप में किये जाते हैं ;

(ग) भुगतान की दर क्या है ; और

(घ) पिछले दो वर्षों के दौरान और 1994 में अभी तक पृथक रूप से कितनी-कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया युनाइटेड, न्यूज आफ इंडिया और एशिया-न्यूज इंटरनेशनल।

(ख) भुगतान मासिक किस्तों में किया जाता है।

(ग) 1992-93 के लिये दरें:

(लाख रुपये में)

एजेंसी	राशि
पी०टी०आई०	210
यू०एन०आई०	177
ए०एन०आई०	0.60

(घ) भुगतान की गई राशि (बकाया राशियों सहित)।

वर्ष	पी०टी०आई०	यू०एन०आई०	ए०एन०आई०
1992	1,95,05,225	1,63,23,750	74,516
1993	2,24,94,775	1,83,25,982	70,000
1994 (जून, 94 तक)	61,19,200	51,63,200	20,000

आकाशवाणी में उर्दू कार्यक्रमों के साथ व्यवहार

2007. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों में उर्दू कार्यक्रमों को उचित महत्व नहीं दिया जाता ;

(ख) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के उर्दू विभाग की उपेक्षा की जा रही है और उसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी की उर्दू सेवा, जो कि देश भर में लोकप्रिय है, का विदेशियों के लिये ही प्रसारण किया जा रहा है और देशवासियों को उससे वंचित रखा जाता है ;

(घ) उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) स्वदेशी श्रोताओं के साथ यह अन्याय कब समाप्त होगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) से (ङ) जी, नहीं। इस सेवा के अलावा राष्ट्रीय चैनल के अतिरिक्त देश के